सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 223 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 21 सितम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-

फिजिशियन इलाज करता है, लेकिन प्रकृति ठीक करती है।
-हिप्पोक्रेटीस

एशियन गेम्स : भारत का रजत पका, अब... 7 | यूपी विस-27 चुनावों से पहले... 3 | भाजपा राज में बाबासाहेब की... 2

चारों तरफ से घिरी ममता को सुप्रीम कोर्ट से राहत की उम्मीद

कपिल सिब्बल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट तत्काल सुनवाई को राजी

» टीएमसी का इलेक्शन सिंबल फ्रीज होने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चारों तरफ से निराश होने के बाद टीएमसी व उसकी प्रमुख ममता बनर्जी ने सुप्रीमकोर्ट की चौखट पर गुहार लगाई है। उनकी याचिका शीर्ष अदालत ने सुनने के लिए स्वीकार कर ली है। टीएमसी का इलेक्शन सिंबल फ्रीज होने के मामले में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल बहस करेंगे।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नाम और चुनाव चिन्ह 'जोड़ा फूल और घास' को फ्रीज करने के चुनाव आयोग के अंतरिम आदेश को ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सोमवार को वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ममता बनर्जी की ओर से मामले का सुप्रीम कोर्ट में उल्लेख किया और जल्द सुनवाई की मांग की। चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने मामले को जल्द सुनवाई के लिए लगाने का भरोसा दिया।

ममता ने की थी चुनाव आयोग के फैसले की आलोचना

सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को प्रतिवादी बनाया है। 18 सितंबर को बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस का नाम और जोड़ा घास-फूल चुनाव चिन्ह फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने पार्टी की पहचान खोने की तुलना एक मां के अपने बच्चे को खोने के दर्द से की थी और इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक काला दिन बताया था। बनर्जी ने कहा था कि वह इस अंतरिम व्यवस्था को समझौते के तौर पर स्वीकार नहीं करेंगी और पार्टी की असली पहचान और उसके फूल-घास वाले चुनाव चिह्न को वापस पाने के लिए राजनीतिक, लोकतांत्रिक और कानूनी तौर पर आखिरी दम तक लड़ेंगी।

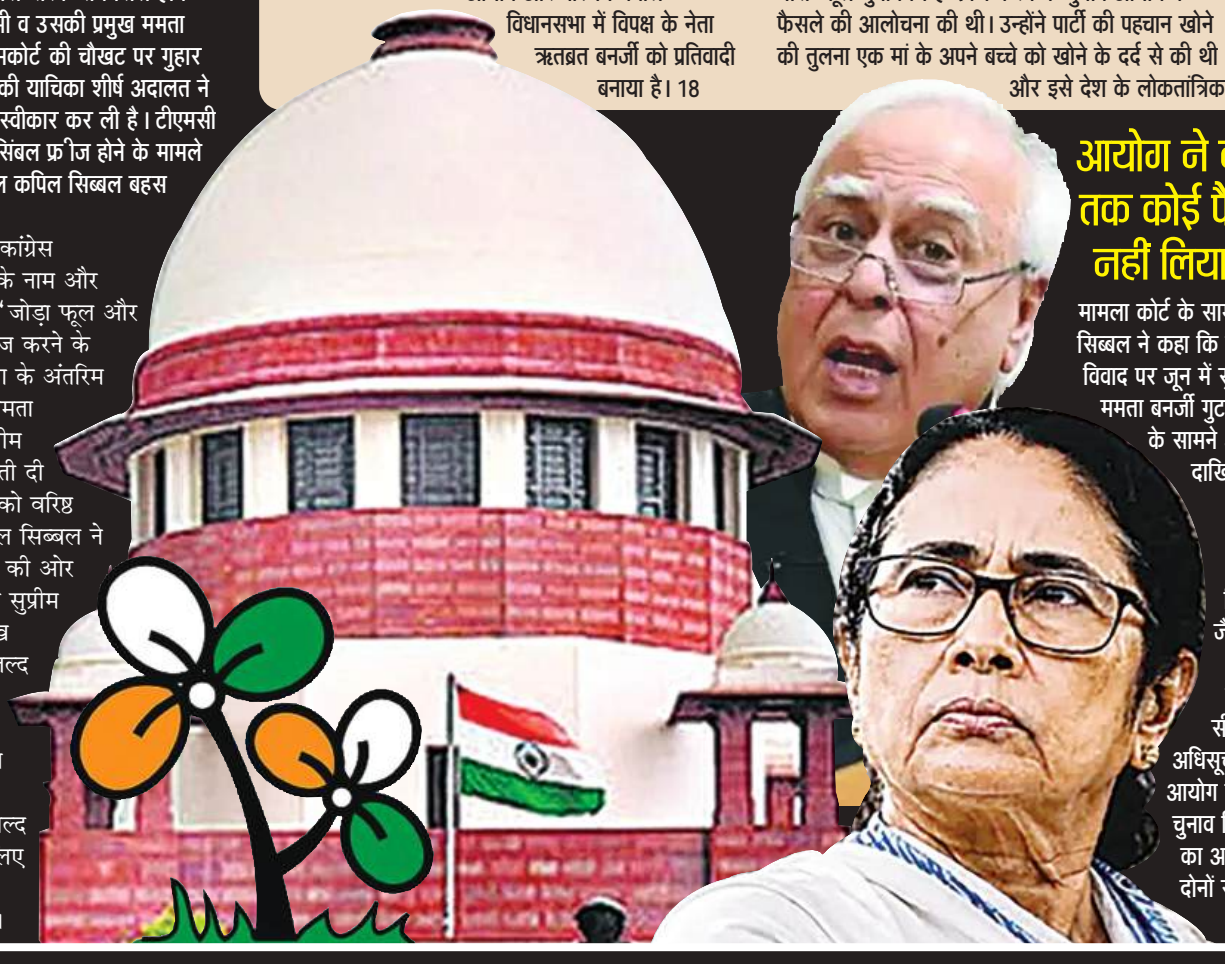

आयोग ने कई महीनों तक कोई फैसला क्यों नहीं लिया : सिब्बल

मामला कोर्ट के सामने रखते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग ने इस विवाद पर जून में सुनवाई शुरू की थी। ममता बनर्जी गुट ने जुलाई में आयोग के सामने अपना विस्तृत जवाब दाखिल किया था। इसके बाद आयोग ने कई महीनों तक कोई फैसला नहीं लिया। सिब्बल के मुताबिक, जैसे ही पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की अधिसूचना जारी हुई, चुनाव आयोग ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज करने का आदेश जारी कर दिया दोनों सीटों पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को होने हैं।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद हुई थी टीएमसी में टूट

चुनाव आयोग का यह आदेश मई में विधानसभा चुनाव में हार के बाद टीएमसी विधायक दल में हुई बगावत के बाद आया है, जो बाद में संसद तक फैल गई। जून में, 58 बागी विधायकों ने ममता गुट के उम्मीदवार सोवनदेब चट्टोपाध्याय की जगह निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना और स्पीकर से मान्यता हासिल की। पांच दिन बाद, यह बगावत संसद तक पहुंच गई, जहां काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों ने एनसीपीआई का साथ दिया और स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का समर्थन किया।

टीएमसी के नाम चिन्ह और संगठन पर दो गुटों में विवाद

तृणमूल कांग्रेस के नाम, चुनाव चिन्ह और संगठन पर नियंत्रण को लेकर दो गुटों के बीच विवाद चल रहा है। एक गुट का नेतृत्व ममता बनर्जी कर रही हैं, जबकि दूसरे गुट का नेतृत्व ऋतब्रत बनर्जी कर रहे हैं. ऋतब्रत बनर्जी गुट का दावा है कि पार्टी के पुराने संगठनात्मक ढांचे का कार्यकाल खत्म हो चुका है और उसे जारी रखना वैध नहीं है। वहीं, ममता बनर्जी गुट इस दावे को खारिज करता है और अपने संगठनात्मक ढांचे को वैध मानता है। इसी विवाद के चलते मामला चुनाव आयोग तक पहुंचा।

तत्काल रोक की मांग

कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग हर दिन नए मापदंड तय कर रहा है। इस पर चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने सिब्बल को रोकते हुए कहा कि अभी मामले के गुण-दोष पर बहस न की जाए उन्होंने कहा कि जब मामला सुनवाई के लिए आएगा, तब दूसरे पक्ष के पास भी अपनी दलील रखने का मौका होगा। कोर्ट ने मामले को जल्द सुनवाई के लिए लेने का भरोसा दिया।

उपचुनाव 6 अक्टूबर को

पूर्वी मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम और मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को होने हैं और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। पश्चिम बंगाल में ये उपचुनाव इसलिए कराने पड़े क्योंकि शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से जीते थे और उन्होंने नंदीग्राम सीट छोड़ने का फैसला किया, जबकि एजीयूपी नेता हुमायूं कबीर नौदा और रेजीनगर दोनों सीटों से जीते थे और उन्होंने रेजीनगर सीट छोड़ने का फैसला किया।

चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को अलग नाम और चुनाव चिन्ह दिए

6 अक्टूबर के उपचुनावों को देखते हुए चुनाव आयोग ने 17 सितंबर को अंतरिम आदेश जारी किया था। इसके तहत दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और उसके पारंपरिक 'जोड़ा फूल और घास' चुनाव चिन्ह के इस्तेमाल से रोक दिया गया। आयोग ने दोनों गुटों को अंतरिम तौर पर अलग नाम और चुनाव चिन्ह आवंटित किए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिन्ह दिया गया है. वहीं, दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है। यह व्यवस्था आगामी उपचुनावों के लिए अंतरिम तौर पर लागू की गई है।

भाजपा राज में बाबासाहेब की मूर्तियों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा : अखिलेश

» सपा प्रमुख का दावा- यूपी में आंबेडकर की 151 मूर्तियां क्षतिग्रस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने भाजपा पर तीखा प्रहार अब भी जारी रखा है। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा राज में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की मूर्तियों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया गया है। भाजपा सरकार के तहत 72 जिलों में 151 से ज्यादा मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया गया या तोड़ा-फोड़ा गया है। उन्होंने कहा, यह जानबूझकर किया गया क्योंकि वे (भाजपा) संविधान बदलना चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं कर पाए।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में उत्तर प्रदेश के 72 जिलों में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 151 मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया गया लेकिन अब तक इन मामलों में केवल 14 गिरफ्तारियां ही हुई हैं। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि यह तोड़फोड़ जानबूझकर की गई क्योंकि भाजपा संविधान बदलना चाहती थी लेकिन ऐसा कर नहीं सकी।

भाजपा ने इस पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसीलिए जब भी भाजपा और उसकी विचारधारा वाले लोग हमला करते हैं, तो वे सबसे पहले संविधान की प्रति को निशाना बनाते हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर, हम 151 मामलों का रिकॉर्ड जुटा पाए हैं। अगर हम औसत निकालें, तो इस सरकार के शासनकाल में हर साल 15 से ज्यादा मूर्तियां क्षतिग्रस्त की गयी हैं। हो सकता है कि कुछ मामले ऐसे भी हों जिनका रिकॉर्ड न हो और जिनकी गिनती न की गई हो।'

केवल 14 मामलों में ही गिरफ्तारियां हुई : यादव ने सरकारी आंकड़ों को आधार बताते हुए दावा किया कि आंबेडकर प्रतिमाओं को खंडित किये जाने के केवल 14 मामलों में ही गिरफ्तारियां हुई हैं और 45 मामलों में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किये गये, आठ मामलों में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई और 84 मामलों में कोई कार्रवाई नहीं हुई।

झूठे आरोप गढ़ना सनातन का रास्ता नहीं

झूठे आरोप गढ़ना सनातन का रास्ता नहीं हो सकता। यादव ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में परीक्षा के सबसे ज्यादा संख्या में पेपर लीक हुए। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकारी नौकरी देने की जरूरत से बचने के लिए ऐसा किया गया।भगवान श्री राम को चढ़ाए गए चढ़ावे की चोरी न होने देना... यही सनातन का रास्ता है। भगवान श्री राम को दिए गए दान की चोरी रोकना सनातन का रास्ता है। हत्या की साजिश रचना सनातन का रास्ता नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि भाजपा ने बार-बार न सिर्फ लोगों को दुख पहुंचाया है बल्कि उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करने के लिये भी सक्रिय रूप से काम किया है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया, यह सरकार न्याय दिलाने में नाकाम रही है, एक ऐसी सरकार जिसके अपने मंत्रियों को धरने पर बैठना पड़ रहा है। जरा सोचिए, इलाज और न्याय पाने के लिए या यहां तक कि पोस्टमार्टम करवाने के लिए भी विरोध प्रदर्शन करना पड़ रहा है। यह इस सरकार की हालत है। यादव ने यह भी कहा कि भाजपा सिर्फ 'कंटेंट क्रिएटर्स' को नौकरियां दे रही है।

सपा सत्ता में आई तो विकास दुबे एनकाउंटर की होगी जांच

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कानपुर के गैंगस्टर विकास दुबे से जुड़ी कथित मुठभेड़ की तरफ इशारा करते हुए तंज किया कि उनकी पार्टी अगर उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आती है तो वह रिमोट सेंसिंग विभाग (दूर संवेदी विभाग) से कार पलटने वाली घटना की जांच कराएंगे। कानपुर देहात के बिकरू इलाके में दो-तीन जुलाई 2020 की रात को आठ पुलिसकर्मियों की घात लगाकर छत से गोलियां चलाते हुए हत्या किये जाने की वारदात के मुख्य आरोपी गैंगस्टर विकास दुबे की 10 जुलाई को उज्जैन से कानपुर लाते समय पुलिस की गाड़ी कथित रूप से दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गयी थी और पुलिस का दावा है कि हादसे के बाद भागने की कोशिश में दुबे पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया था। सपा प्रमुख ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि रिमोट सेंसिंग के साथ-साथ सभी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल मुख्य रूप से किसानों के फायदे के लिए और साथ ही स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि के क्षेत्रों में किया जाएगा। नए स्थान तलाशें

अपराध से निपटने के लिए रिमोट सेंसिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करेंगे

इसके अलावा, हम अपराध से निपटने के लिए रिमोट सेंसिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करेंगे, जिससे फर्जी एनकाउंटर जैसी घटनाओं पर भी रोशनी डालने में मदद मिलेगी। सपा प्रमुख ने गैंगस्टर विकास दुबे के मुठभेड़ में मारे जाने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि कार पलटी नहीं थी, बल्कि यह सरकार को गिरने से बचाने की कोशिश थी ताकि सच सामने न आए।

हर मां को समान सम्मान और संवेदना मिलनी चाहिए

इसी विवाद के बीच समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मां के सम्मान को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। लखनऊ में उन्होंने कहा कि किसी की मां के प्रति जैसी भावनाएं हैं, वैसी ही भावनाएं हर व्यक्ति की अपनी मां और परिवार के प्रति होती हैं। अखिलेश यादव ने कहा, हर मां को समान सम्मान और संवेदना मिलनी चाहिए, चाहे वह आपकी मां हो, मेरी मां हो, प्रधानमंत्री की मां हो, रिक्शा चलाने वाले की मां हो या किसी गरीब की मां हो। उन्होंने आगे कहा कि अगर किसी दुखी मां ने अपनी बात रखी तो उसे भाषण देने से रोकने का सवाल भी उठता है। अखिलेश ने कहा कि जो लोग नकारात्मक प्रचार नहीं करने की बात करते हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि नकारात्मक प्रचार कौन कर रहा है।

यूपी में भाजपा को रोकने के लिए सभी साथ आएं : ओवैसी

» एआईएमआईएम प्रमुख ने विपक्षी दलों से मांगा साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को उत्तर प्रदेश में 27 के विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में लौटने से रोकने के लिए विपक्षी दलों से हाथ मिलाने की पेशकश की। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी किसी संभावित राजनीतिक गठबंधन की घोषणा करने से पहले आगामी दो अक्टूबर तक इंतजार करेगी।

ओवैसी ने कानपुर के छावनी क्षेत्र में बाबूपुरवा ईदगाह मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एआईएमआईएम उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की एक बार फिर सरकार बनने से रोकने के इच्छुक दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हम भी नहीं चाहते कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बने। अगर आप भाजपा को फिर से सरकार बनाने से रोकना चाहते हैं, तो आइए और एआईएमआईएम के साथ हाथ मिलाइए। ओवैसी ने बिहार में एआईएमआईएम के प्रस्ताव का भी जिक्र किया और कहा कि उनकी पार्टी ने गठबंधन के तहत छह सीटों पर चुनाव लड़ने की पेशकश की थी, लेकिन इसके बजाय उन पर झूठे आरोप लगाए गए। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने लोगों से पूछा, आपके अखिलेश भैया सत्ता में आए तो (उत्तर प्रदेश में) कितने दंगे हुए? इसके बाद उन्होंने 2013 में मुजफ्फरनगर में हुए दंगों का जिक्र किया और कहा कि लगभग 50 हजार लोग अपने घरों और गांवों से विस्थापित हो गए थे।

ओवैसी ने सपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के शासन में मुसलमानों की सामाजिक और आर्थिक तथा शैक्षिक समस्याओं का हल नहीं किए जाने और उन्हें समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने मतदाताओं से राज्य में एआईएमआईएम की राजनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने का आग्रह करते हुए कहा कि मुसलमानों को उत्तर प्रदेश विधानसभा में एक आवाज की जरूरत है।

ओवैसी ने मदरसों को लेकर भाजपा सरकार के कदमों की भी आलोचना की और स्वतंत्रता संग्राम में मुस्लिम धर्मगुरुओं और धार्मिक विद्वानों की भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने कानपुर के मदरसों के इतिहास का हवाला दिया और आरोप लगाया कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मुस्लिम उलमा ने अंग्रेजों के खिलाफ फतवा जारी किया था।

निकाय चुनाव में पुलिस का दुरुपयोग कर रही बीजेपी सरकार : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में नगर निकायों के प्रमुखों के चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर नवनिर्वाचित पार्षदों पर दबाव बनाने के लिए पुलिस, प्रशासन व अन्य सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

गहलोत ने एक बयान में कहा, भाजपा अब लोकतंत्र की हत्या में सिर्फ राजस्थान पुलिस को ही नहीं, हरियाणा पुलिस को भी शामिल कर चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जनता द्वारा चुने हुए पार्षदों को पुलिस के दम पर रोकना और बंधक बनाना दिखाता है कि यह चुनाव नहीं, जनता के जनादेश पर खुला कब्जा है।

क्रिकेटर मोहम्मद शमी जयंत चौधरी से मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से क्रिकेटर मोहम्मद शमी की मुलाकात ने अमरोहा में सियासी हलचल बढ़ा दी है। इस मुलाकात की तस्वीर जयंत चौधरी ने फेसबुक पर पोस्ट की है। इसके बाद सियासी पिच पर तेज गेंदबाज शमी के बाउंसर फेंकने के कयास शुरू हो गए हैं। उनके राजनीति में उतरने की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अमरोहा के सहसपुर अलीनगर के रहने वाले क्रि केटर मोहम्मद शमी या उनके परिवार के किसी सदस्य के सियासत में उतरने की चर्चाएं चल रही हैं। रविवार को दिल्ली में मोहम्मद शमी ने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी से मुलाकात करके इस चर्चा को और हवा दे दी है। इससे अमरोहा ही नहीं बल्कि मंडल की सियासत में हलचल तेज

हो गई है। जयंत चौधरी ने फेसबुक पर तस्वीर साझा करते हुए मोहम्मद शमी जैसे महान क्रिकेटर से मिलना एक सुखद अनुभव बताया है। दूसरी ओर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी करीब 17 महीने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नौ मार्च 2025 को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

इंग्लैंड और श्रीलंका दौरे पर भी उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। ऐसे में जयंत चौधरी से मुलाकात के बाद उनके सियासत में उतरने की चर्चाओं को और बल मिला है। फिलहाल क्रिकेटर शमी के चुनाव लड़ने के सवाल पर उनके परिवार और रालोद के नेताओं ने चुप्पी साध रखी है। रालोद के अमरोहा जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने बताया कि क्रिकेटर मोहम्मद शमी की राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से मुलाकात किस उद्देश्य से हुई है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। क्रिकेटर मोहम्मद शमी तुर्क बिरादरी से आते हैं। अमरोहा विधानसभा क्षेत्र में तुर्क बिरादरी का खासा दबदबा है। जोया इलाके को तुर्किस्तान कहा जाता है। ऐसे में अमरोहा सीट से वह सपा विधायक महबूब अली का काट हो सकते हैं। मोहम्मद शमी भाजपा गठबंधन के लिए विकल्प बन सकते हैं। इसका फायदा एनडीए को मंडल की दूसरी सीटों पर भी मिल सकता है।

दीपिका भी बाहर, मायावती ने अब ईशान को दिया मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने भतीजी दीपिका आनंद को पार्टी में कोई जिम्मेदारी न देने का फैसला किया है। इसके साथ ही उन्होंने छोटे भतीजे ईशान आनंद को मौका देते हुए पार्टी विरोधी गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिश्तेदारों के बजाय बहुजन समाज और पार्टी का हित ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने परिवार के राजनीतिक भविष्य को लेकर एक बार फिर बड़ा फैसला किया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, अब उनके भाई आनंद कुमार की बेटी कुमारी

दीपिका आनंद को भी पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को पार्टी में जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाने की बात कही है। मायावती ने अपने फैसले को परिवार से ज्यादा पार्टी और बहुजन समाज के हित से जोड़ते हुए कई पुराने उदाहरण भी दिए हैं। मायावती ने कहा कि राजनीति में सफल होने और समाज के लिए काम करने के लिए भाई-बहनों और करीबी रिश्तेदारों के मोह से ऊपर उठकर ईमानदारी और निष्ठा से काम करना जरूरी है। उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में आने के बाद उन्होंने अपने करीबी रिश्तेदारों को राजनीतिक फायदा देने से दूरी बनाए रखी थी। उनके मुताबिक, रिश्तेदारों को केवल पार्टी संगठन में बिना किसी निजी लाभ के काम करने की अनुमति थी। मायावती ने कहा कि उन्होंने भी कांशीराम के इसी रास्ते पर चलने का फैसला किया और अपना पूरा जीवन बहुजन समाज के लिए समर्पित किया। मायावती ने अपने बड़े भतीजे आकाश आनंद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आनंद कुमार के खास आग्रह पर उन्होंने आकाश आनंद को राजनीति में आगे बढ़ाया था।

मायावती के मुताबिक शादी के बाद आकाश के व्यवहार और गतिविधियों में बदलाव आया। मायावती ने कहा कि इसी वजह से उन्हें पार्टी से अलग करना पड़ा। उन्होंने आकाश पर अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में काम करने का आरोप भी लगाया।

यूपी विस-27 चुनावों से पहले राज्य में सियासी पारा चढ़ा

भाजपा के विवादित पोस्टर व वीडियो पर सपा ने किया प्रहार

राज्य के जिलों में सपा कार्यकर्ताओं ने उतारे बैनर-पोस्टर

» कांग्रेस से सपा के गठबंधन पर भी वार-पलटवार

» सोशल मीडिया पर सपा का कैंपेन तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में सियासी पारा चढ़ने लगा है। जहां चंदा चोरी की वजह से चारों ओर विपक्ष निशाने पर आई भाजपा फिर हिंदु-मुसलमान का कार्ड खेल रही है। तो सपा इस मुद्दे को किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं चाहती। सीएम योगी हर मंच से सपा को घेर रहें हैं। बीजेपी जगह-जगह विवादित पोस्टर व एआई वीडियो से सपा पर निशाना साध रही है। हालांकि भाजपा के खिलाफ भी सपा ने सोशल मीडिया कैंपेन चलाना शुरू कर दिया है। पोस्टर वार में सपा पुलिस की चौखट पर तो पहुंच ही रही है वह पोस्टरों को जगह-जगह जला रही रही है।

इस बी यूपी कांग्रेस व सपा के गठबंधन में कड़वाहट की भी आहट सुनाई दे रही है। वहीं इरान मसूद के नए हमले ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में गहरी दरार पैदा कर दी है। मसूद ने आरोप लगाया कि सपा को गठबंधन की ज़्यादा जरूरत है और वह प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं को बर्दाश्त नहीं करती, जिससे दोनों दलों के बीच का तनाव सतह पर आ गया है। यह विवाद गठबंधन के भविष्य और आगामी सीट बंटवारे की चुनौतियों को दर्शाता है। मसूद की ये बातें उन सार्वजनिक बयानों के सिलसिले की एक और कड़ी हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 27 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के इस सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी।

पोस्टर पर बिफरी सपा के कार्यकर्ता

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सपा के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर लगाए गए पोस्टर पर बवाल मच गया। पोस्टर सामने आने के बाद सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस तरह के विवदित पोस्टर पर बाराबंकी जिले में ज्यादा आक्रोश देखने को मिला है। मामले की संवेदनशीलता देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच का आश्वासन दिया है। जिसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए। बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कोतवाली पहुंचे थे। जबकि के प्रदेश के कई जिलों में सपा नेताओं ने पोस्टर जला दिए थे।

सपा व कांग्रेस में तीखी बयानबाजी

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के रिश्तों में नई दरारें आ गई हैं। इंडिया गठबंधन के इन दोनों सहयोगियों के बीच तीखी बयानबाजी के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह पर कड़ा हमला किया है। मसूद का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों पार्टियां अपनी-अपनी राजनीतिक ताकत और गठबंधन के भविष्य को लेकर सार्वजनिक रूप से बहस कर रही हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या 2024 के लोकसभा चुनावों में फायदा दिलाने वाली यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक कायम रहेगी या नहीं।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से मिली जीत

तीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र करते हुए मसूद ने आगे कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार, अतीक अहमद और आजम खान का। उन्हें ही दोषी नहीं ठहराया जाता। कांग्रेस नेता ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की, जबकि हमारा गठबंधन था।

कांग्रेस के बजाय समाजवादी पार्टी को गठबंधन की ज्यादा जरूरत : इमरान

उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देते हुए मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय समाजवादी पार्टी को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और गठबंधन की वजह से ही आप 24 में 37 सीटें जीत पाए, वरना 22 में तो आप 12० सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए थे। सपा पर और भी कड़ा हमला करते हुए मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

पुलिस ने शुरू की जांच

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तियों और उनके परिवार के प्रति इस तरह की अभद्र टिप्पणी पूरी तरह अस्वीकार्य है। ऐसे कृत्य सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के भी विपरीत हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि पोस्टर लगाने वाले अज्ञात लोगों की जल्द पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस घटना को लेकर सपा समर्थकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। वहीं, पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाओं का दौर जारी है।

सूचना विभाग का दुरुपयोग कर रही भाजपा : आनंद भदौरिया

धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया ने घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह कायराना कृत्य है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की पहचान और प्रारूप का दुरुपयोग कर राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र का इस्तेमाल राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं होना चाहिए।

माहौल खराब करना चाहतें हैं असामाजिक तत्व : हाफिज अयाज

पार्टी के बाराबंकी जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नगर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को बदनाम करने और समाज में नफरत फैलाने की नीयत से जनपद के विभिन्न स्थानों पर आपत्तिजनक होर्डिंग और पोस्टर लगाए हैं। हाफिज अयाज अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाकर जानबूझकर सामाजिक और राजनीतिक माहौल खराब करने का प्रयास किया गया है। इससे पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इस प्रकार की हरकत किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होने पर ही कार्यकर्ताओं का रोष शांत होगा।

सपा के नेताओं के खिलाफ अमर्यादित होर्डिंग पर बवाल

एक बार फिर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाते हुए लगाए गए होर्डिंग को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया। सूचना मिलते ही धौरहरा से सपा सांसद आनंद भदौरिया समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से होर्डिंग उतरवाकर उसे जलवा दिया। सपा नेताओं ने इसे पार्टी की छवि धूमिल करने की साजिश बताते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। शहर से बाहर लगाए गए होर्डिंग पर बड़े अक्षरों में दिल में बाबर, मुंह में राम लिखा गया था। इसके साथ समाजवादी पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के हवाले से कथित बयानों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। होर्डिंग की जानकारी मिलते ही सपा कार्यकर्ताओ ने मौके पर पहुंच कर विरोध जताया। गौरतलब है कि करीब 22 दिन पहले भी इसी स्थान पर अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के खिलाफ पोस्टर और

बैनर लगाए गए थे। उस समय भी सांसद आनंद भदौरिया ने मौके पर पहुंचकर बैनर हटवाए थे और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से शिकायत की थी। हालांकि अब तक पोस्टर लगाने वालों की पहचान सार्वजनिक नहीं हो सकी है। मंगलवार को दोबारा होर्डिंग लगाए जाने से सपा नेताओं में नाराजगी दिखी। सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि यदि पहले मामले में प्रभावी कार्रवाई हुई होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। सपा सांसद का मानना है कि ये कायराना कृत्य भाजपा सरकार के इशारे पर उत्तर प्रदेश का सूचना विभाग कर रहा है। सांसद आनंद भदौरिया ने बताया कि करीब 22 दिन पहले भी शहर में समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ अमर्यादित पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। मामले को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दोषियों की पहचान और कार्रवाई की मांग की थी। बावजूद इसके अब तक कोई खुलासा नहीं हो सका। दोबारा होर्डिंग लगाए जाने के बाद सपा नेताओं में गहरी नाराजगी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

पर्यावरण बचाने का समय अब नहीं तो कब

पिछले एक दो महीने से मौसम में जिस तरह का उतारचढ़ाव देखने को मिला उसने बदलते मौसम जलवायु का असर देख लिया है। सितंबर में उत्तर भारत में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात हैं। इससे बीमारियों के फैलने की संभावना भी बन गई है। आजकल जलवायु में इस तरह से परिवर्तन देखने को मिल रहा उससे तो यही चर्चा है कि पर्यावरण का विकास के नाम पर जितनी क्षति पहुंचाई जा रही है वह आने वाले समय में मानवीय सभ्यता को इतिहास न बना दे। अब समय आ गया है कि पूरा विश्व एक सोच में आकर पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुट जाए नहीं तो सब तबाह हो जाएगा। कुल मिलाकर पर्यावरण बचाने का समय अब नहीं तो कब आएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पड़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है।

भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डे? दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए। यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्राय: दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

"अब समय आ गया है कि पूरा विश्व एक सोच में आकर पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुट जाए नहीं तो सब तबाह हो जाएगा। कुल मिलाकर पर्यावरण बचाने का समय अब नहीं तो कब आएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कॉर्पोरेट जगत में नारी शक्ति का बढ़ता कद

दीपिका अरोड़ा

परिवर्तित समय के साथ महिलाओं की भूमिका में भी ख़ासा बदलाव आया है। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली नारी आज प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। इसका ज्वलंत प्रमाण कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट है, जिसके अनुसार हाल के वर्षों में कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व और निदेशक मंडलों (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में महिलाओं की मौजूदगी तेजी से बढ़ी है। निजी हों अथवा सरकारी कंपनियां, महिलाओं की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। एकल स्वामित्व वाली कंपनियों में भी यह आंकड़ा 28 प्रतिशत है। तुलनात्मक रूप से महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21 प्रतिशत, जबकि निजी कंपनियों में 30 प्रतिशत है। इस बदलाव के पीछे कानूनी अनिवार्यताओं को प्रमुख कारण माना गया है।

भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी तथा एक निश्चित टर्नओवर वाली सार्वजनिक कंपनियों के बोर्ड में कम-से-कम एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी इस प्रावधान को कड़ाई से लागू किया है। इसके साथ ही कंपनियों का नज़रिया बदलना भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि बोर्डरूम में विविधता से न केवल सामाजिक सुधार होता है, बल्कि व्यवसाय को भी लाभ पहुंचता है। निवेशकों का दबाव भी इस परिवर्तन का एक उल्लेखनीय पहलू रहा है। आज वैश्विक निवेशक उन कंपनियों में निवेश करना पसंद करते हैं जो ईएसजी (एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस मानकों का पालन करती हैं। इन मानकों के मूल्यांकन में महिलाओं की भागीदारी एक महत्वपूर्ण पैमाना मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में उच्च शिक्षा और पेशेवर दक्षता बढ़ने से भी नेतृत्व के पदों के लिए उनका दायरा विस्तृत हुआ है। बोर्डरूम में महिलाओं की उपस्थिति के लाभ भी कम नहीं हैं।

महिलाएं अलग दृष्टिकोण, बेहतर जोखिम प्रबंधन क्षमता तथा नवीन समाधान लेकर आती हैं, जिससे निर्णय अधिक संतुलित और प्रभावी बनते हैं। विभिन्न शोधों के अनुसार महिला निदेशक बेहतर निगरानी, अधिक नैतिक संवेदनशीलता तथा बोर्ड की विचार-विमर्श प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला नेतृत्व कार्यस्थल पर अधिक समावेशी वातावरण का निर्माण करता है, जिससे महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे लंबे समय तक संस्थान से जुड़ी रहती हैं। इससे प्रतिभाशाली मानव संसाधन का दायरा भी बढ़ता है, जो कुशल प्रबंधन और बेहतर निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होता है। मैकिन्से और क्रेडिट सुइस सहित अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि जिन कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या अधिक होती है, उनका वित्तीय प्रदर्शन अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर रहता है। कॉर्पोरेट बोर्डरूम में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लैंगिक समानता, बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और आर्थिक विकास की दिशा में निस्संदेह एक सकारात्मक परिवर्तन है। किंतु भारत में शीर्ष पदों तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। बोर्ड में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने के बावजूद, उच्चतम कार्यकारी पदों पर यह संख्या नाटकीय रूप से घट जाती है। लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, कारोबार के आधार पर शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में केवल नौ महिलाएं ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ के पद पर कार्यरत हैं। मंत्रालय के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 में ऐसी कोई परिभाषा न होने के कारण वह महिला अध्यक्षों अथवा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारियों के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखता। ये आंकड़े बोर्ड में प्रतिनिधित्व और सर्वोच्च कार्यकारी पदों पर उपस्थिति के बीच मौजूद बड़े अंतर को उजागर करते हैं। वास्तव में, कुछ कंपनियां केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को बोर्ड में शामिल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया से दूर ही रखा जाता है। कई बार पारिवारिक व्यवसायों में परिवार की किसी महिला सदस्य को बिना पर्याप्त कॉर्पोरेट अनुभव के बोर्ड में शामिल कर केवल खानापूर्ति कर दी जाती है।

हमारा सामाजिक ढांचा भी है, जहां घरेलू दायित्वों का बोझ आज भी मुख्य रूप से महिलाओं पर ही रहता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारतीय महिलाएं पुरुषों की तुलना में घरेलू कार्यों और देखभाल संबंधी गतिविधियों पर कहीं अधिक समय व्यतीत करती हैं। इसका सीधा प्रभाव उनके करियर की निरंतरता तथा वरिष्ठ पदों तक पहुंचने की संभावनाओं पर पड़ता है।

इंसानी नादानी से उपजी चुनौती और हमारा दायित्व

डॉ. सुशील द्विवेदी

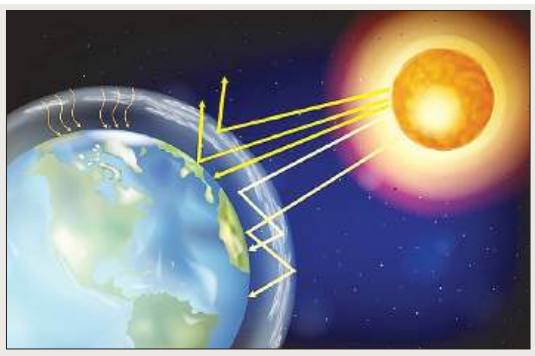

पृथ्वी के समतापमंडल में मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाले हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) विकिरण का बड़ा हिस्सा सोखकर मनुष्य, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को सुरक्षा प्रदान करती है। यह पृथ्वी का एक ऐसा अदृश्य सुरक्षा कवच है जिसकी मौजूदगी का अहसास हमें सामान्य दिनों में नहीं होता, लेकिन इसके कमजोर पड़ने का असर पूरी जैविक दुनिया के अस्तित्व पर पड़ सकता है। आसमान की ओर देखने पर नीला विस्तार दिखाई देता है, लेकिन उस नीले आकाश के ऊपर मौजूद यह ढाल जीवन की कल्पना को संभव बनाती है। इसीलिए 16 सितंबर केवल पर्यावरण से जुड़ी एक औपचारिक तारीख नहीं है। यह उस अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और राजनीतिक प्रयास की याद दिलाता है, जिसने दुनिया को यह सिखाया कि यदि विज्ञान समय रहते खतरे की पहचान करे और सभी देश मिलकर कार्रवाई करें, तो वैश्विक पर्यावरणीय संकट को पलटा भी जा सकता है।

वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया और उसके बाद ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन तथा उपभोग को चरणबद्ध तरीके से कम किया गया। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम 'ग्लोबल एक्शन फॉर कूलर प्लेनेट' यानी ठंडी और अधिक टिकाऊ पृथ्वी के लिए वैश्विक कार्रवाई रखी गई है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के दस वर्ष पूरे होने से भी जुड़ी है, जिसने हाइड्रोफ्लोरोकार्बन यानी एचसीएफसी और एचएफसी को चरणबद्ध रूप से कम करने और अधिक ऊर्जा-कुशल शीतलन व्यवस्था की दिशा में दुनिया को आगे बढ़ाया है। यहां एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक अंतर समझना जरूरी है कि हर ओजोन परत समान नहीं होती। समतापमंडल का ओजोन हमारा रक्षक है, जबकि धरातल के पास बनने वाला ट्रोपोस्फेरिक ओजोन वायु प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण घटक है और मानव स्वास्थ्य तथा वनस्पतियों के लिए हानिकारक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के दौर में बढ़ती गर्मी, जंगलों की आग और वायुमंडलीय रसायन इन दोनों स्तरों की जटिलताओं को और अधिक महत्वपूर्ण बना रहे हैं। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कारण लगभग 99 प्रतिशत नियंत्रित ओजोन-क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध किया जा चुका है और वैज्ञानिक आकलन लंबे समय से ओजोन परत के पुनरुद्धार की दिशा में प्रगति की पुष्टि करते रहे हैं।

हालांकि, 'नेचर कम्यूनिकेशन' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कुछ औद्योगिक प्रक्रियाओं में ओजोन-क्षयकारी पदार्थों का फीडस्टॉक के रूप में उपयोग अपेक्षा से कहीं अधिक उत्सर्जन पैदा कर सकता है। यदि ये उत्सर्जन वर्तमान स्तरों पर जारी रहे, तो मध्य-अक्षांशों में ओजोन परत की रिकवरी लगभग 7 वर्ष तक पीछे खिसक सकती है। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने पूर्वी एशिया में हैलॉन-2402 नामक शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी पदार्थ के उत्सर्जन में फिर से बढ़ोतरी के प्रमाण पाए हैं।

अध्ययन के अनुसार 2008 से 2023 के बीच पूर्वी एशिया से इसके उत्सर्जन का संचयी अनुमान लगभग 52 गीगाग्राम सीएफसी-11 इक्विवेलेंट रहा और 2015 के बाद इस क्षेत्र के उत्सर्जन ने वैश्विक प्रवृत्ति को प्रभावित किया है। अगस्त 2026 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि वैज्ञानिकों ने उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर लगभग 21 से 23 किलोमीटर की ऊंचाई पर असामान्य रूप से अधिक ओजोन की एक मोटी परत देखी। यह संरचना पूर्वी भारत के लिए सामान्य मात्रा से काफी अधिक थी और एक दिन से ज्यादा समय तक बनी रही। भारतीय वैज्ञानिकों ने देशभर के वायुमंडलीय रडार, मौसम गुब्बारों, उपग्रहों और वायुमंडलीय मॉडलों को एक साथ इस्तेमाल किया। नैनीताल स्थित आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जर्वेशनल साइंसेज के स्वदेशी रडार सहित कई केंद्रों से मिले आंकड़ों ने वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद की कि वायुमंडल में ओजोन का परिवहन किस तरह होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस घटना के पीछे ओजोन-समृद्ध वायु का परिवहन, उसके बाद नीचे की ओर वायुमंडलीय गति और वायु-द्रव्यमान का संपीड़न प्रमुख कारण थे। यह उदाहरण बताता है कि ओजोन परत कोई स्थिर, समान मोटाई वाली चादर नहीं है। वायुमंडलीय परिसंचरण, हवाएं, तापमान और रासायनिक प्रक्रियाएं लगातार इसकी संरचना और वितरण को प्रभावित करती हैं। भारत और नेपाल का पर्यावरणीय भविष्य अलग-अलग खानों में नहीं बांटा जा सकता। नेपाल में ऊंचाई के कारण पराबैंगनी विकिरण का सवाल विशेष महत्व रखता है। नेपाल के भैरहवा, पोखरा और लुम्ले में किए गए एक अध्ययन में यूवी इंडेक्स में उल्लेखनीय मौसमी और स्थानिक अंतर दर्ज किए गए। विशेष रूप से अधिक ऊंचाई वाले लुम्ले और पोखरा में कुछ अवधियों के दौरान यूवी इंडेक्स काफी ऊंचा पाया गया।

इसका मतलब यह नहीं कि नेपाल या हिमालय में ओजोन परत खत्म हो रही है, बल्कि संदेश यह है कि ऊंचाई, सूर्य की स्थिति, बादल, वायुमंडलीय संरचना और ओजोन की मात्रा मिलकर सतह तक पहुंचने वाले यूवी विकिरण को प्रभावित करते हैं। इसलिए हिमालयी देशों को स्थानीय यूवी निगरानी, मौसम विज्ञान और स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी प्रणालियों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। भारत और नेपाल के लिए यह सहयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन तेजी से बदलती परिस्थितियां पैदा कर रहा है। दक्षिण एशिया में गर्मी लगातार बढ़ रही है।

सुबह ये योगासन करने से दिनभर रहेंगे एक्टिव

बारिश का मौसम आते ही कई लोगों को आलस, थकान और सुस्ती महसूस होने लगती है। लगातार बादल छाए रहने, धूप कम मिलने और मौसम में नमी बढ़ने के कारण सुबह बिस्तर से उठने का मन नहीं करता। कई बार लोग इस वजह से एक्सरसाइज या मॉर्निंग वॉक भी छोड़ देते हैं। हालांकि, दिन की शुरुआत कुछ आसान योगासनों से की जाए तो शरीर को एक्टिव रखने में मदद मिल सकती है। योग न केवल शरीर को स्ट्रेच करता है, बल्कि नियमित अभ्यास से लचीलापन और मांसपेशियों की सक्रियता बनाए रखने में भी मदद मिलती है। खास बात यह है कि इसके लिए आपको जिम जाने की जरूरत नहीं है। घर पर ही कुछ मिनट योग करके आप अपने दिन की शुरुआत बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार 12 शक्तिशाली योगासनों का एक गतिशील क्रम है, जो पूरे शरीर के लिए एक संपूर्ण वर्कआउट माना जाता है। यह न केवल शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि मानसिक शांति और चयापचय में भी सुधार करता है। सूर्य नमस्कार को सुबह के लिए एक बेहतरीन योग अभ्यास माना जाता है। इसमें कई योग मुद्राओं का क्रम शामिल होता है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं। शुरुआत में 3 से 5 राउंड से करें और अपनी क्षमता के अनुसार धीरे-धीरे संख्या बढ़ा सकते हैं। यह हृदय गति को बढ़ाता है और तेजी से कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी, पैरों और बाजुओं की मांसपेशियों को गहरा खिंचाव देता है। इसके नियमित अभ्यास से पूरे शरीर में ऑक्सीजन युक्त रक्त का प्रवाह सुधरता है। सांसों के उतार-चढ़ाव पर ध्यान केंद्रित करने से मन शांत होता है।

भुजंगासन

यह हठयोग का एक प्रमुख आसन है, जो सूर्य नमस्कार के 12 आसनों में से 7वां आसन है। संस्कृत में भुजंग का अर्थ नाग या कोबरा होता है, क्योंकि इस मुद्रा में शरीर की आकृति फन उठाए हुए सांप की तरह दिखाई देती है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने और पेट की चर्बी घटाने के लिए बेहद प्रभावी माना जाता है। भुजंगासन में पेट के बल लेटकर शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाया जाता है। यह पीठ और कंधों को स्ट्रेच करने में मदद कर सकता है। लंबे समय तक बैठने या काम करने वालों के लिए भी यह स्ट्रेचिंग रूटीन का हिस्सा हो सकता है। इसे करते समय कमर पर जरूरत से ज्यादा दबाव न डालें।

सेतु बंधासन

सेतुबंधासन जिसे अंग्रेज़ी में Bridge Pose भी कहा जाता है, पीठ के बल लेटकर किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण योग आसन है। संस्कृत में सेतु का अर्थ पुल और बंध का अर्थ बाँधना या रोकना होता है, इस आसन में शरीर की आकृति एक पुल जैसी दिखाई देती है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, पीठ दर्द से राहत देने और मानसिक तनाव को कम करने में बेहद मददगार है। इसके अलावा इसे करने से शरीर दिनभर सर्कि य रहता है। जिससे काम करने में मदद मिलती है। सेतु बंधासन में पीठ के बल लेटकर घुटनों को मोड़ते हुए कूल्हों को ऊपर उठाया जाता है। इससे शरीर के निचले हिस्से और पीठ की मांसपेशियों को सक्रिय करने में मदद मिल सकती है। इसे आराम से और नियंत्रित तरीके से करना चाहिए।

अधोमुख श्वानासन

अधोमुख श्वानासन जिसे अंग्रेजी में Downward-Facing Dog Pose भी कहा जाता है, योग विज्ञान का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और बुनियादी आसन है। संस्कृत में अधोमुख का अर्थ नीचे की ओर मुंह, श्वान का अर्थ कुत्ता और आसन का अर्थ मुद्रा होता है। इस मुद्रा में शरीर का आकार झुके हुए कुत्ते के समान दिखाई देता है। यह आसन सूर्य नमस्कार के 12 चरणों का एक मुख्य हिस्सा है। अधोमुख श्वानासन पूरे शरीर को स्ट्रेच करने वाला योगासन है। इसमें हाथों और पैरों का सहारा लेते हुए शरीर को उल्टे वी के आकार में रखा जाता है। यह कंधों, पैरों और पीठ को स्ट्रेच करने में मदद कर सकता है। शुरुआत में कुछ सेकंड ही इस मुद्रा में रहें।

ताड़ासन

ताड़ासन एक आसान योगासन है, जिसे सुबह के समय किया जा सकता है। इसमें शरीर को सीधा रखते हुए हाथों को ऊपर की ओर ले जाकर पूरे शरीर को स्ट्रेच किया जाता है। इससे शरीर को सक्रिय करने और पोस्चर पर काम करने में मदद मिल सकती है। शुरुआत में इसे 20 से 30 सेकंड तक करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

हंसना मना है

टीचर: सेमस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट: फायदे तो पता नहीं, पर बेइज्जती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- लड़की से बोला कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबा ये तोतली है। कह रही है..कमा कर खाओ।

जिस लड़के कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा "Try Ball" पर ही आउट हो गया।

टीचर ने साइंस लैब में अपनी जेब से सिक्का निकाला और एसिड में डाला, फिर बच्चों से पूछा कि ये सिक्का घुल जाएगा या नहीं, बच्चा- सर, नहीं घुलेगा, टीचर- शाबाश, लेकिन तुम्हें कैसे पता? बच्चा- सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलता, तो आप सिक्का हमसे मांगते, ना कि अपनी जेब से निकालते।

डॉक्टर - कहिए कैसे आना हुआ, राजू- डॉक्टर साबह लिवर में बहुत दर्द हो रहा है, डॉक्टर- शराब पीते हो? राजू- हां- हां बिल्कुल पर छोटा पैक ही बनाना।

कहानी | बूढ़ा आदमी, युवा पत्नी और चोर

एक गांव में सूरज नाम का किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। किसान बूढ़ा था, लेकिन उसकी पत्नी जवान थी। इसी वजह से किसान की पत्नी दुखी रहती थी। वो हमेशा अपने ही जैसे जवान पुरुष से शादी करने की चाहत मन में रखती थी। महिला के मन की बात को एक चोर समझ गया। एक दिन उसने किसान की पत्नी को एक झूठी कहानी सुनाई। चोर ने कहा कि सालों पहले मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई थी। अब मैं अकेला हूं। मैं तुम्हारी सुंदरता पर मोहित हो गया हूं और तुम्हें अपने साथ शहर ले जाना चाहता हूं। स्त्री यह सुनते ही खुश हो गई। वो फटाफट बोली कि ठीक है मैं तुम्हारे साथ चलूंगी, लेकिन मेरे पति के पास बहुत धन है। पहले मैं उसे ले आती हूं। उन पैसों से हम जीवनभर आराम से रहेंगे। यह सुनकर चोर ने कहा कि ठीक है तुम जाओ और लौटकर इसी जगह आना मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा। स्त्री घर पहुंची, तो देखा कि पति गहरी नींद में था। महिला ने सारे जेवर और नकदी को पोटली में बांधा और चोर के पास चली गई। उसके पहुंचते ही दोनों दूसरे शहर की ओर निकल गए। कुछ दूर चलने के बाद रास्ते में एक नदी मिली। नदी को देखते ही चोर को एक तरकीब सूझ गई। वह महिला से बोला कि देखो, नदी गहरी है। इसे मैं तुम्हें पार करवाऊंगा, लेकिन पहले मैं यह पोटली नदी के उस पार रखूंगा फिर तुम्हें साथ ले जाऊंगा। स्त्री को चोर पर पूरा विश्वास था उसने कहा कि हां, ऐसा करना ठीक रहेगा। फिर चोर ने कहा कि देखो, तुमने भारी जेवर पहने हैं। ये जेवर भी तुम मुझे दे दो, ताकि तुम्हें नदी पार करने में कोई बाधा न हो। यह सुनते ही किसान की पत्नी ने अपने सारे जेवर चोर को दे दिए। पोटली लेकर चोर नदी के पार चला गया। महिला उसके लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन वो फिर कभी लौट कर नहीं आया। अब महिला को बहुत दुख हुआ और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, लेकिन पछतावे के लिए तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसका सारा पैसा और जेवर लेकर चोर जा चुका था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दिनभर अष्टम भाव का प्रभाव रहने से काम में थोड़ी रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन रात के बाद भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार में दिन के समय जोखिम लेने से बचें।

वृषभ दिनभर व्यापार और जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत अच्छा रहेगा। रात के बाद थोड़ा संभलकर चलें। साझेदारी के कामों में दिन के समय बड़ा मुनाफा हो सकता है।

मिथुन दिनभर विरोधियों पर आपकी बढ़त बनी रहेगी। रात के बाद व्यापार और दांपत्य जीवन में चमक आएगी। ऑफिस में रुके हुए काम पूरे होंगे।

कर्क दिनभर बौद्धिक क्षमता से काम बनेंगे। विरोधियों पर सतर्कता जरूरी होगी। शेयर या ट्रेडिंग से जुड़े लोगों लाभ होगा। लव लाइफ में दिनभर मिठास रहेगी।

सिंह दिनभर घरेलू सुख-सुविधाओं पर ध्यान रहेगा। निर्णय क्षमता और बौद्धिक लाभ बढ़ेगा। प्रॉपर्टी के सौदे फाइनल हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कन्या दिनभर पराक्रम और नेटवर्किंग से काम बनेंगे। रात के बाद ध्यान परिवार पर रहेगा। व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी। आर्थिक पक्ष संतुलित रहेगा।

तुला दिनभर धन लाभ और वाणी से प्रभाव बढ़ेगा। पराक्रम और नेटवर्किंग में तेजी आएगी। व्यापार में मुनाफा बढ़ेगा। लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी।

वृश्चिक दिनभर आपकी ही राशि में चंद्रमा रहने से प्रभाव बढ़ेगा। धन लाभ के योग बनेंगे। बिजनेस में नए फैसले फायदेमंद साबित होंगे। लव लाइफ बहुत शानदार रहेगी।

धनु दिनभर खर्च और भागदौड़ रह सकती है। चंद्रमा आपकी ही राशि में आकर नया आत्मविश्वास देगा। उधारी से बचें, नए प्रोजेक्ट्स मिलेंगे।

मकर दिनभर जबरदस्त लाभ और नेटवर्किंग का माहौल रहेगा। रात के बाद खर्चों पर नियंत्रण रखें। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने के योग हैं। रात में विश्राम करें।

कुम्भ दिनभर कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। बड़े आर्थिक लाभ के रास्ते खुलेंगे। नौकरी और बिजनेस दोनों में तरक्की के योग हैं। लव पार्टनर के साथ यादगार समय बीतेगा।

मीन दिनभर भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापारिक विस्तार के लिए दिन उत्तम है। लव लाइफ में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी।

मैंने हजारों बार दुआ की कि पुरुषों को भी पीरियड्स हो : श्रुति

सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर एक्ट्रेस श्रुति हासन ने फिल्मों की शूटिंग के दौरान पीरियड्स के दर्द से निपटने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब एक को-स्टार ने घुटने की सर्जरी के दर्द का जिक्र किया, तो फिल्म की क्रू ने उसके हिसाब से काम किया। श्रुति ने यह भी कहा कि उन्होंने हजारों बार दुआ की कि पुरुषों को भी पीरियड्स हों, ताकि इसे काम के कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया जा सके।

श्रुति और सोहा ने हार्मोन और पीरियड्स से जुड़ी गलतफहमियों के बारे में बात की। श्रुति ने कहा, मेरा मतलब है, इसका बस एक ही समाधान है और मैंने हजारों बार दुआ की है कि पुरुषों को भी पीरियड्स हो और फिर हमारे कॉन्ट्रैक्ट में पीरियड हॉलिडे (पीरियड्स के दौरान छुट्टी) शामिल हो जाते। सोहा ने भी माना कि यह मददगार होगा, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि तब पुरुष इस बात पर मुकाबला करते कि उस महीने उन्हें कितना ब्लीड हुआ या उनके टैम्पोन कितने बड़े हैं।

पीरियड्स के बारे में बताने पर श्रुति ने बताया कि PCOS (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) की वजह से उन्हें पीरियड्स में बहुत दर्द होता है। हालांकि, उनका कहना है कि करियर की शुरुआत में वह सेट पर इस बारे में बात नहीं कर पाती थीं। उनका कहना है कि यह सिर्फ एक टैबू (वर्जित विषय) नहीं था, बल्कि कई लोग इस बारे में बात ही नहीं करना चाहते थे। लेकिन फिर डायरेक्टर्स सोचते थे कि वह किसी खास दिन अलग क्यों दिख रही हैं, या उनकी एनर्जी अलग क्यों है।

संध्या बींदणी ने हेटर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

टीवी एक्ट्रेस दीपिका सिंह को दीया और बाती हम शो से घर-घर में खास पहचान मिली। शो में उन्होंने संध्या राठी का किरदार निभाया था। आईपीएस ऑफिसर के दमदार अंदाज और ससुराल में संध्या बींदणी की सादगी के रोल में उन्हें दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला। हाल ही में गणपति विसर्जन में डांस करते हुए दीपिका के वीडियो ने इंटरनेट पर गर्दा उड़ा दिया। फैंस को उनका डांस काफी पसंद आया, लेकिन कुछ लोगों ने एक्ट्रेस को उनके डांस पर जमकर ट्रोल किया। ट्रोलिंग पर अब दीपिका ने रिएक्ट किया है और हेटर्स को जवाब दिया है। दीपिका ने अपना वायरल डांसिंग वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में हेटर्स को जवाब देने के साथ अपने डांस स्टेप्स के बारे में जानकारी भी दी। दीपिका ने लिखा- इसे कहते हैं ताल के साथ एक्सपेरिमेंट करना। लेकिन हां, इसके लिए आपको आर्ट और डांस की समझ होनी चाहिए।

ऑस्कर से बाहर हुई धुरंधर, मिले सिर्फ चार वोट

3000 करोड़ का छप्परफाड़ कलेक्शन करने वाली और साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर कही जा रही रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' ऑस्कर 2027 की रेस से बाहर हो गई है। जहां फैंस को उम्मीद थी कि यह फिल्म भारत की ऑफिशियल एंट्री बनेगी, वहीं FFI की जूरी ने इसे केवल 4 वोट देकर नकार दिया। जूरी मेंबर विवेक वासवानी ने अब खुलासा किया है कि आखिर रिकॉर्ड तोड़ कमाई के बावजूद 'धुरंधर' को ऑस्कर के लिए क्यों नहीं चुना गया और 'गोंधल' को कुल कितने वोट मिले हैं। जूरी मेंबर विवेक वासवानी ने साफ कहा कि कुछ लोगों को भले ही फिल्म पसंद आई हो, लेकिन जूरी को यह 'ऑस्कर मटेरियल' नहीं लगी। उनका मानना था कि यह स्पाय-थ्रिलर इंटरनेशनल लेवल पर इंडियन कल्चर और आइडेंटिटी को उस गहराई से रिप्रेजेंट नहीं करती, जैसा वे चाह रहे थे। जूरी मेंबर ने साफ किया कि उनका फैसला फिल्म के 3000 करोड़ के कलेक्शन, पॉपुलैरिटी या टूटे रिकॉर्ड्स पर बिल्कुल भी बेस्ड नहीं था उनका पूरा फोकस इस बात पर था कि कौन सी फिल्म ऑस्कर के ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत की संस्कृति को बेहतर ढंग से दिखा सकती है। 14 जूरी मेंबर्स वाली कमेटी में 'धुरंधर' को सिर्फ 4 वोट मिले और यह टॉप 3 की रेस से भी बाहर हो गई। 'गोंधल' के अलावा रेस में 'अंग' और तमिल फिल्म 'डोरोथी' शामिल थीं, जिन्होंने 'धुरंधर' को पछाड़ दिया। 18 सितंबर को FFI ने ऐलान किया कि मराठी थ्रिलर फिल्म 'गोंधल' ऑस्कर 2027 के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री होगी।

जेलर-2 : नीली साड़ी में विद्या बालन ने कांता के लुक में खींचा ध्यान

विद्या बालन ने रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 में कंथा के रूप में अपने पहले लुक से इंटरनेट पर सबका ध्यान खींचा। सन पिक्चर्स ने रविवार (20 सितंबर) को अभिनेत्री के किरदार का परिचय जारी किया। उनका ये दमदार लुक तुरंत फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया। कई यूजर्स ने विद्या की अभिनय क्षमता की प्रशंसा की, जबकि अन्य ने कहा कि उनकी कास्टिंग ने रजनीकांत अभिनीत सीक्वल के लिए उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

विद्या के लुक की जो तस्वीर जारी की गई है उसमें वो हाथों में सिगरेट लिए नीली साड़ी में नजर आ रहीं हैं। अनिरुद्ध रविचंदर के बैकग्राउंड स्कोर के साथ जारी की गई इस झलक में कांथा सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए नजर आ रही हैं। उनका अंदाज, साड़ी का पल्लू संभालने का तरीका और हाथ में पकड़ी सिगरेट के साथ कश लेती विद्या बालन का यह अंदाज उनके मजबूत और बेबाक व्यक्तित्व को दर्शा रहा है।

नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बन रही जेलर 2 में रजनीकांत, टाइगर मुथुवेल पांडियन के किरदार में नजर आनेवाले हैं। फिल्म में राम्या कृष्णन और योगी बाबू समेत कई पुराने कलाकारों के साथ सूरज वेंजारामूडु और एस.जे. सूर्या के साथ विद्या बालन भी फिल्म का हिस्सा हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित जेलर 2 दुनियाभर में 15 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होने वाली है। फिलहाल विद्या बालन के कांता के रूप में उनके परिचय के साथ ही फिल्म में उनके दमदार नए अवतार ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

ईशा मालवीय तुम मेरे हो के साथ बॉलीवुड में करेंगी एंट्री, गुरमीत चौधरी संग करेंगी रोमांस

बिग बॉस 17 फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म तुम मेरे हो के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी। गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला। इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, तुम मेरे हो की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है। बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है। तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं। ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी लाफ्टर शेफ्स 3 में साथ काम कर चुके हैं। ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म इश्कां दे लेखे में नजर आ चुकीं हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो उडारियां से की थी।

दीये जलाने के लिए पैसे हैं छात्रावास के लिए नहीं : राहुल

» छात्रावास की कमी को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने मोदी सरकार से पूछा सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्राओं के लिए छात्रावास की कमी को लेकर सरकार पर सवाल उठाया है। इंदौर में एक छात्रा से बातचीत का हवाला देते हुए उन्होंने पूछा कि सरकार के पास प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दीये जलाने के लिए पैसे हैं, लेकिन लड़कियों के लिए सुरक्षित और किफायती छात्रावास बनाने के लिए क्यों नहीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्राओं के लिए छात्रावास की कमी को लेकर सरकार से सवाल किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर बड़े स्तर पर हुए दीप जलाने के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए पूछा कि सरकार के पास दीये जलाने के लिए पैसा है, तो छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने के लिए क्यों नहीं।

राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में हुए अपने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान एक छात्रा से हुई बातचीत का जिक्र किया। छात्रा ने उच्च शिक्षा के लिए इंदौर आने के बाद सुरक्षित और कम खर्च में रहने की परेशानी के बारे में बताया था। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, सरकार के पास दीये

जलाने के लिए पैसे हैं, हमारे छात्रावास के लिए क्यों नहीं? उन्होंने बताया कि इंदौर में एक छात्रा ने उनसे यह सवाल पूछा था। राहुल गांधी के मुताबिक, छात्रा पढ़ाई के लिए एक गांव से इंदौर आई थी, लेकिन छात्रावास की सुविधा नहीं होने के कारण उसे पीजी में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, छात्रावास नहीं है, इसलिए उसे पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने के लिए लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। हर महीने के किराये की चिंता और बेघर होने का डर, इन सबके बीच उसे पढ़ाई करनी पड़ती है। राहुल गांधी ने कहा कि रहने की जगह नहीं मिलने के कारण कई लड़कियां अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं।

आवास भत्ते को लेकर भी उठाए सवाल

राहुल गांधी ने आवास भत्ते को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, आवास भत्ते का क्या? महंगाई के साथ यह बढ़ता नहीं है और ऊपर से इसमें भ्रष्टाचार हो जाता है। उन्होंने कहा, कई लड़कियां इसी वजह से अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं क्योंकि रहने के लिए जगह नहीं होती। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए पूछा कि क्या आपके पास उस छोटी बच्ची के सवाल का कोई जवाब है?

दीये जलाने के खर्चे पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हुए बड़े स्तर के दीप जलाने के कायक्रम के कुछ दिन बाद आया है। मोदी के जन्मदिन के मौके पर 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के तहत देश में दीप जलाए गए थे। मुताबिक, 17 सितंबर को मध्य प्रदेश में एक साथ करीब 3.55 करोड़ दीये जलाए गए थे। उज्जैन में शिप्रा नदी के घाटों और महाकाल लोक में 33.27 लाख दीये जलाए गए थे। 'आशीर्वाद का दिया' अभियान पर कुल कितना खर्च हुआ, इसकी कोई आधिकारिक सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। 'द मॉर्निंग वॉइस' में प्रकाशित एक अनुमान के अनुसार, उज्जैन के कार्यक्रम के लिए करीब 45,000 लीटर तेल की जरूरत पड़ी थी। इसके लिए तेल की लागत करीब 54 लाख रुपये से 67.5 लाख रुपये के बीच बताई गई थी। इस अनुमान के आधार पर पूरे मध्य प्रदेश में हुए कार्यक्रम के लिए तेल की लागत करीब 5.8 करोड़ रुपये से 7.2 करोड़ रुपये तक होने का अनुमान लगाया गया था।

व्यापार सुविधा केंद्र को पर्यटन केंद्र में बदलने के मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाएं सीएम : मुफ्ती

» पीडीपी नेता बोलीं- इसके बनने से राज्य को भारी कीमत चुकानी पड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से उरी के पास नियंत्रण रेखा (एलओसी) स्थित सलामाबाद व्यापार सुविधा केंद्र को पर्यटन केंद्र में बदलने के मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाने का आग्रह किया। महबूबा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, सलामाबाद व्यापार सुविधा केंद्र का निर्माण विभाजित परिवारों को जोड़ने, व्यापार को फिर से शुरू करने और घावों को भरने के लिए किया गया था, न कि इसे महज एक पर्यटन स्थल में बदलने के लिए। इसके लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी और मुजफ्फराबाद चलो रैली के दौरान पीडीपी के कई कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवाई। मैं सीएम से आग्रह करती हूं कि वह इस मुद्दे को भारत सरकार के समक्ष उठाएं और इसका मूल उद्देश्य बहाल करें। मुफ्ती ने कहा कि कश्मीर को बाहरी दुनिया से जोड़ने वाले मार्गों को फिर से खोलने की जरूरत है।

न कि उन संपर्कों को बंद करने की। सलामाबाद व्यापार सुविधा केंद्र की स्थापना 2008 में भारत और पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के बीच वस्तु-विनिमय आधारित व्यापार पर सहमति बनने के बाद की गई थी। भारत सरकार के अनुसार, सलामाबाद और चकन-दा-बाग के जरिये सीमा पार व्यापार अक्टूबर 2008 में शुरू हुआ था। केंद्र सरकार ने अप्रैल 2019 में नियंत्रण रेखा के पार होने वाले व्यापार को निलंबित कर दिया था।

महाराष्ट्र को सूखा घोषित करे सरकार : रोहित पवार

» राकांपा (शरदचंद्र पवार) विधायक बोले- किसानों को मिले 50 हजार रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने महाराष्ट्र सरकार से मराठवाड़ा क्षेत्र में तत्काल सूखा घोषित करने और किसानों को प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये तथा खेतिहर मजदूरों को 25 हजार रुपये की सहायता देने की मांग की। पवार ने कहा कि लंबे समय तक बारिश नहीं होने से राज्य के मध्य भाग में स्थित आठ जिलों वाले मराठवाड़ा क्षेत्र और खासकर लातूर में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। विधायक ने धाराशिव, बीड और लातूर में किसानों से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह जानकारी दी।

उन्होंने सूखा प्रभावित लोगों के लिए तत्काल राहत, चारा शिविर खोलने और अन्य जरूरी कदम उठाने की मांग की। पवार ने दावा किया कि कई जगहों पर फसल नुकसान का पंचनामा अभी तक शुरू नहीं हुआ है, क्योंकि अधिकारी सरकार के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले सूखा घोषित करना होगा। सूखा घोषित होने के बाद ही पंचनामा शुरू होगा। जब हम अधिकारियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि अभी तक आदेश जारी नहीं हुए हैं।'' पवार ने दावा किया कि दौरे के दौरान जिन किसानों से उन्होंने मुलाकात की उन्होंने बताया कि बारिश की कमी के कारण उनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं।

सालों से एक ही जोन में जमे कर्मचारियों पर गिरी गाज

» 5 से 7 साल से एक ही जोन में तैनात अफसरों व कर्मचारियों के स्थानांतरण के बाद तत्काल कार्यभार ग्रहण कराने के अनुज कुमार झा ने दिये निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में लंबे समय से एक ही जोन में तैनात सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों और जोनल सैनिटरी अधिकारियों को लेकर विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। निदेशालय की ओर से जारी आदेश में स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का अनुपालन नहीं करने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नगर निगम के विभिन्न जोनों में कई अधिकारी-कर्मचारी करीब पांच से सात वर्षों से एक ही जोन में तैनात बताए जा रहे हैं।

इनमें जोन-1 में संजीव कुमार करीब सात वर्ष, जोन-4 में बालगोविंद, पंकज शुक्ला, सतीश यादव करीब छह वर्ष और रश्मि शुक्ला करीब छह वर्ष से तैनात बताए जा रहे हैं। इसी तरह जोन-5 में सुभाष चौधरी करीब सात वर्ष, जोन-6 में रामचंद्र यादव करीब सात वर्ष, जोन-5 में प्रीति यादव करीब पांच वर्ष तथा जोन-6 में रामजीत पांडेय करीब सात वर्ष से तैनात बताए जा रहे हैं। जोन-7 में बृजेश प्रजापति करीब सात वर्ष और जोन-8 में मोहम्मद नईम करीब पांच वर्ष से तैनात बताए जा रहे हैं। प्रीति यादव को लेकर जानकारी में यह भी सामने आया है कि वह पहले सफाई एवं खाद्य निरीक्षक के पद पर तैनात थीं और बाद में उसी क्षेत्र में जोनल सैनिटरी अधिकारी के रूप में तैनाती हुई। स्थानांतरण सूची में 20 सफाई एवं खाद्य निरीक्षक तथा मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक शामिल हैं।

सितंबर का वेतन नवीन तैनाती स्थल से ही किया जायेगा

निदेशालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि सितंबर 2026 का वेतन नवीन तैनाती स्थल से ही निर्गत किया जाएगा। ऐसे में लंबे समय से एक ही जोन में तैनात बताए जा रहे कर्मचारियों के स्थानांतरण और नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण कराने के निर्देश को नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संजय राउत के बयान पर भाजपा बिफरी

» दिशा सालियन के पिता की आदित्य ठाकरे के घर हालिया मुलाकात पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीजेपी नेता राम कदम ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत की आलोचना की है। राउत ने दिशा सालियन के पिता सतीश सालियन की आदित्य ठाकरे के घर हालिया मुलाक़ात को सिर्फ़ ड्रामा बताया था, जिसे कदम ने शोक में डूबे माता-पिता के प्रति बेहद असंवेदनशील टिप्पणी कहा।

कदम ने कहा कि दिशा सालियन के पिता ने अपनी बेटी को खो दिया है। उनके कामों को ड्रामा बताना बेहद असंवेदनशील है। उन्होंने सवाल किया कि सालियन की मौत की जांच पहले ही सीबीआई को क्यों नहीं सौंपी गई। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को अपना काम पूरा करने देना चाहिए और आख़िरकार न्यायपालिका ही इस मामले पर फ़ैसला करेगी।

एशियन गेम्स : भारत का रजत पक्का, अब लक्ष्य गोल्ड

» बांग्लादेश को 114 रन से सेमीफाइनल में हराया, फाइनल में श्रीलंका से होगा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

निशिन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 114 रन से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल जीतने के साथ भारत ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। अब टीम के सामने स्वर्ण पदक जीतने की चुनौती होगी। फाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा। यह मुकाबला 22 सितंबर को खेला जाएगा।

श्रीलंका ने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। श्रीलंका ने 178 रन का लक्ष्य 17.5 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल किया था। अब

भारत के पास 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक को बरकरार रखने का मौका होगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में जिस तरह बल्लेबाजी और गेंदबाजी की, उससे टीम ने फाइनल से पहले अपना दावा मजबूत किया है। हालांकि खिताबी मुकाबला एक अलग चुनौती होगा और भारत के सामने श्रीलंका की टीम होगी। भारत ने सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन बनाए और फिर बांग्लादेश को 81 रन पर समेट दिया। एक तरफ शेफाली का शतक रहा, तो दूसरी ओर गेंदबाजों ने मिलकर बांग्लादेश की पूरी पारी को दबाव में रखा। नतीजा रहा 114 रन की बड़ी जीत और फाइनल का टिकट।

एशियन गेम्स में पहला शतक लगाने वाली खिलाड़ी बनीं शेफाली

निशिन। सेमीफाइनल में शेफाली वर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ तूफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया। शेफाली ने 49 गेंदों में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। इस शतक के साथ शेफाली एशियन गेम्स के क्रिकेट इतिहास में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज बन गईं। इसके साथ उन्होंने स्मृति मंधाना के भारतीय महिला क्रिकेट में सबसे तेज टी20 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में शतक लगाया था। शेफाली ने इस शतक के साथ 2026 में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने रनों की संख्या 815 तक पहुंचा दी। वह इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 824 रन के साथ शीर्ष पर हैं। शेफाली ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी शतकीय पारी में नौ छक्के लगाए। इसके साथ ही वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। 2026 में उनके नाम 35 छक्के हो चुके हैं।

बिहार में नाबालिग के साथ अभद्रता पर बवाल

» राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर उठा सवाल

» जमुई वायरल वीडियो पर पुलिस का एक्शन, तीन आरोपी पकड़े गए

» राजद-कांग्रेस ने कार्रवाई की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जमुई । बिहार के जमुई में नाबालिग लड़का-लड़की को रास्ते में रोककर लड़की के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार और छेड़खानी किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद से राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सवालिया निशान लगने लगे है। विपक्ष ने इसकों लेकर एनडीए सरकार पर हमला किया है। कांग्रेस व राजद ने सम्राट सरकार को घेरा है। हालांकि पुलिस ने भी कार्रवाई तेज कर दी है।

पुलिस के मुताबिक घटना 19 सितंबर की शाम की है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने उसमें दिखाई दे रहे लोगों की पहचान शुरू की और पीड़ितों तक पहुंचकर उनका बयान दर्ज किया। पुलिस ने मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घटना को लेकर बिहार सरकार पर सवाल उठाए हैं और वीडियो में दिख रहे सभी लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ पॉक्सो के तहत कार्रवाई की मांग की है।

घटना जमुई टाउन थाना क्षेत्र के मड़वा गांव इलाके की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में बाइक सवार नाबालिग युवक और युवती को कुछ लोग रोकते और घेरते नजर आ रहे हैं। वीडियो में युवती हाथ जोड़कर लोगों से उन्हें जाने देने की अपील करती दिखाई दे रही है। वह कहती सुनाई दे रही है, बच्चा हैं, जाने दीजिए। अब कभी नहीं आएंगे।

तीन युवकों को गिरफ्तार करने का दावा

जमुई पुलिस की टीम ने मामले में छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान मड़वा गांव निवासी मिथिलेश, प्रमोद और गोलू के रूप में बताई गई है। तीनों की उम्र करीब 24 से 26 वर्ष के बीच बताई जा रही है।पुलिस अब वीडियो में दिखाई दे रहे अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की भी जांच कर रही है। मामले में सामने आए सभी तथ्यों और पीड़ित के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि वीडियो में नजर आ रहे अन्य लोगों को भी चिह्नित किया जा रहा है।

वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने शुरू की जांच

वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ा। पुलिस ने वीडियो को आधार बनाकर जांच शुरू की। जमुई के एसपी विश्वजीत दयाल ने बताया कि पुलिस को वीडियो मिला था। इसके बाद वीडियो के आधार पर पीड़िता की पहचान की गई और उसका बयान दर्ज किया गया। एसपी के मुताबिक, शुरुआती जांच में घटना 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे की सामने आई है। वीडियो में छह-सात लोग दिखाई दे रहे हैं और इनमें से कुछ की पहचान कर ली गई है।

पीड़िता का बयान दर्ज

एसपी विश्वजीत दयाल के मुताबिक, शुरुआत में पुलिस के पास घटना को लेकर कोई औपचारिक शिकायत नहीं आई थी। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने खुद मामले का संज्ञान लिया और वीडियो के आधार पर पीड़िता तक पहुंची। उसका बयान दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि घटना के दौरान वहां कौन-कौन लोग मौजूद थे और किसकी क्या भूमिका थी। मामले में वायरल वीडियो को भी जांच का अहम हिस्सा बनाया गया है।

हर व्यक्ति की पहचान होनी चाहिए : राहुल

वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए घटना पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे बेहद परेशान करने वाला वीडियो बताया। राहुल गांधी ने कहा कि दो 10वीं कक्षा के छात्रों को रास्ते में रोका गया और उनके साथ कथित तौर पर मारपीट, उत्पीड़न और लड़की के साथ छेड़छाड़ की गई। राहुल गांधी ने कहा कि वीडियो में लड़की हाथ जोड़कर जाने देने की गुहार लगाती दिखाई दे रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि इन लोगों को इस तरह का व्यवहार करने का अधिकार किसने दिया। राहुल गांधी ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रहे हर व्यक्ति की पहचान की जानी चाहिए और आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर घटना 19 सितंबर की है तो आरोपियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई। उन्होंने बिहार सरकार से भी सवाल किया कि शाम करीब सात बजे सार्वजनिक सड़क पर एक लड़की की सुरक्षा को लेकर ऐसी स्थिति क्यों बनी। राहुल गांधी ने अपने बयान में इस घटना को महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा से जोड़ते हुए सरकार से जवाब मांगा।

घटना राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बयां कर रही : शक्ति सिंह यादव

घटना का वीडियो सामने आने के बाद बिहार की राजनीति में भी आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। आरजेडी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने घटना को लेकर सरकार पर सवाल उठाए और कहा कि यह घटना राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े करती है।

कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा : भाजपा

वहीं, भाजपा की ओर से कहा गया कि सरकार सुशासन के सिद्धांत पर काम कर रही है और कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान के बाद कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से अब तक सामने आए तथ्यों के आधार पर तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की बात कही गई है, जबकि वीडियो में दिखाई दे रहे अन्य लोगों की भूमिका की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

दोबारा गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट की मंजूरी होगी जरूरी, पुलिस को बताना होगा कारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अहम फैसला सुनाया। इसमें आरोपी की दोबारा गिरफ्तारी की प्रक्रिया को साफ किया गया, क्योंकि पिछली गिरफ्तारी को इसलिए गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था क्योंकि उसमें गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए गए, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत जरूरी है।

जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने यह तय किया कि आर्टिकल 22(1) के उल्लंघन के कारण रिहा किए गए व्यक्ति को दोबारा गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को संबंधित ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के सामने एक अर्जी देनी होगी और मजिस्ट्रेट की मंजूरी लेनी होगी। यह अर्जी तभी दी जा सकती है जब आरोपी को गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में दे दिए जाएं। साथ ही अर्जी पर उस पुलिस अधिकारी के तुरंत ऊपर के अधिकारी की मंजूरी भी होनी चाहिए जिसने पहली बार गिरफ्तारी की थी।

आवेदन में इस बात का भी कारण बताया जाना चाहिए कि गिरफ्तारी के आधार शुरू में क्यों नहीं बताए गए थे। बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि अनुच्छेद 22(1) का उल्लंघन करके पहली गिरफ्तारी करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। जस्टिस भुइयां ने कहा, एक बार जब अनुच्छेद 22(1) का उल्लंघन हो जाता है तो दोबारा गिरफ्तारी का अधिकार उसी अधिकारी की मर्जी पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए जिसने संविधान के प्रावधान का उल्लंघन किया है। इसे न्यायिक तरीके से लागू किया जाना चाहिए। इसलिए कोर्ट ने निर्देश दिया कि मजिस्ट्रेट को इस अर्जी पर जल्द से जल्द फैसला लेना चाहिए और एजेंसी को जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंप देनी चाहिए।

जस्टिस भुयन ने कहा, जब मजिस्ट्रेट इस बात से संतुष्ट हो जाए कि सही वजहों से गिरफ्तारी के आधार शुरू में गिरफ्तार व्यक्ति को नहीं बताए जा सके थे लेकिन बाद में बताए गए और साथ ही इस बात से भी संतुष्ट हो कि आरोपी को दोबारा गिरफ्तार करने की जरूरत है, तभी वह जांच एजेंसी को दोबारा गिरफ्तारी की इजाजत देने का आदेश दे सकता है।

उन्होंने आगे कहा, प्रशासनिक स्तर पर जब किसी ऐसे आरोपी की कस्टडी के लिए मंजूरी मांगने वाली अर्जी सीनियर अधिकारी के सामने पेश की जाए जिसे आर्टिकल 22(1) के उल्लंघन के कारण रिहा किया गया था तो वह अधिकारी मामले की जांच किसी दूसरे अफसर को सौंप देगा और साथ ही इतनी गंभीर चूक के लिए विभागीय जांच का आदेश भी देगा। अगर जांच में दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोई प्रतिकूल नतीजा निकलता है तो ऐसे अधिकारी के सर्विस बुक में एंट्री के साथ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

वोटर लिस्ट से जुड़े मामले में बड़ा मोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनिया गांधी मतदाता सूची मामले में विशेष न्यायाधीश ने उस पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार कर लिया है, जो भारतीय नागरिक बनने से पहले कांग्रेस नेता सोनीया गांधी का नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने से जुड़ी शिकायत में मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

सत्र अदालत ने 025 में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया है। मामले को नए सिरे से सुनवाई और कारण स्पष्ट करने वाला आदेश पारित करने के लिए वापस भेज दिया गया है। मजिस्ट्रेट अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली शिकायत को खारिज कर दिया था।

बिहार के भागलपुर के अजगैवीनाथ धाम में बड़ा हादसा

» बाढ़ के पानी में नहाने गई 6 बच्चियों की डूबने से मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिहार (भागलपुर)। बिहार के भागलपुर जिले के अजगैवीनाथ धाम प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नारायणपुर बहियार में मंगलवार की सुबह हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। लोक आस्था के कर्मा-धर्मा पर्व के पावन अवसर पर बहियार स्थित जलमग्न खेत में स्नान करने गए छह बच्चों की गहरे पानी में डूबने से अकाल मौत हो गई।

एक साथ छह घरों के चिराग बुझने से बिष्णु टोला सहित आसपास के समूचे ग्रामीण क्षेत्र में चीत्कार मच गया और मातम पसर गया है। मृतकों की पहचान नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 27, बिष्णु टोला निवासी पूरन मंडल की पुत्री पूजा कुमारी (13 वर्ष), राहुल कुमार (14 वर्ष), रंजन कुमार के पुत्र विकास कुमार (13 वर्ष), विनोद मंडल के पुत्र आयुष कुमार (12 वर्ष), वाल्मीकि मंडल की पुत्री मीनाक्षी कुमारी मिनकी (12 वर्ष) तथा रंचडीदीपुर निवासी धनंजय मंडल की पुत्री ज्योति कुमारी (14 वर्ष) के रूप में हुई है।

स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, कर्मा-धर्मा पर्व को लेकर बच्चे सुबह पूजा की तैयारी और पवित्र स्नान के लिए नारायणपुर बहियार की ओर गए थे। गंगा के बढ़े जलस्तर और हालिया बारिश के चलते बहियार के खेतों में काफी गहरा पानी जमा था।

सीएम आवास के पास टावर पर चढ़ी पीड़ित महिला

सुनवाई न होने से है आहत, पुलिस-दमकल टीम ने संभाला मोर्चा, काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित उतारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री आवास के नजदीक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आगरा की रहने वाली एक महिला पार्क रोड के पास स्थित ऊंचे टावर पर चढ़ गई। महिला के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

जानकारी के मुताबिक, महिला का आरोप है कि उसके पड़ोसी ने उसके प्लॉट पर कब्जा कर रखा है। महिला का कहना है कि जमीन से जुड़े मामले को लेकर उसने स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की थी, लेकिन शिकायत के बावजूद उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि अपनी बात अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए महिला आगरा से लखनऊ पहुंची और

मुख्यमंत्री आवास के नजदीक टावर पर चढ़ गई। हालांकि, जमीन विवाद और प्लॉट पर कब्जे से जुड़े आरोपों की प्रशासनिक स्तर पर अभी पुष्टि नहीं हुई है।महिला के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग की टीम को भी बुलाया गया। अधिकारियों ने महिला से बातचीत कर उसे नीचे उतरने के लिए समझाया। पुलिस ने उसकी शिकायत और टावर पर चढ़ने की वजह के संबंध में जानकारी जुटाई। महिला को टावर पर चढ़ा देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों को दूर किया, ताकि बचाव अभियान में किसी तरह की परेशानी न हो। काफी मशक्कत और समझाने के बाद महिला को टावर से सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। पुलिस ने महिला से पूरे मामले की जानकारी ली है। अब उसके द्वारा लगाए गए प्लॉट पर कब्जे और शिकायत पर सुनवाई नहीं होने के आरोपों की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**